ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन

A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड 28 संख्या 2, 3, 4 मुंबई अप्रैल-दिसम्बर 2011

1. अनुसंधान क्षेत्र से

सांतापाली से विशाल स्क्विड दर्ज

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, विशाखापटनम बेस पर अवस्थित ट्रॉलर जलयान एमएफवी मत्स्य दर्शिनी ने अक्षांश 18° 09.5' उ एवं देशान्तर 84° 08.8' पू के 54 मीटर गहराई क्षेत्र से विशाल स्क्विड दर्ज की गई। बिग फिन रीफ स्क्विड, सेपियोटियूथिस लेसोनियाना लेसन, 1830 के रूप में इसकी पहचान की गई । नेरेटिक स्क्विड सामान्यत: भारत के दक्षिण-पूर्व तट पर पाई जाती है और पॉक-बे स्क्विड के रूप में जानी जाती है, जो 422 मी मी की आवरण लंबाई और 2300 ग्राम वजन तक बढ़ती है। जुलाई 2011 की समुद्री यात्रा के दौरान दर्ज नमूनों की आवरण लंबाई 273 मी मी संस्पर्शक डटेटकिल लंबाई 323 मी. मी. एवं वजन 1000 ग्राम का था । इनका बड़ा ओवल फिन इनके पूरे आवरण पर फैला होता है जो इन्हें कटल फिश की तरह दर्शाता है। इनकी तेज वृध्दि दर, अल्पायु डएक साल से भी कम .एवं संभालने में उदारता इनको मेरीकल्चर के लिए अच्छी प्रजाती साबित करता है।

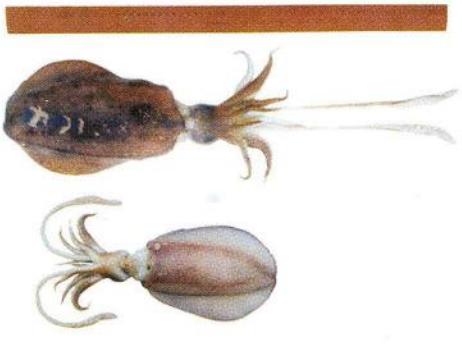

[श्री एस के पटनायक, व.वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स. विशाखापटनम द्वारा संसूचित]

क्विलोन से दूर थ्रेडफिन ब्रीम की बम्पर पकड़

अक्षांश 08° 50.1' उ. एवं देशान्तर 76° 23.9' पू. के 50 मीटर गहराई क्षेत्र से थ्रेडफिन ब्रीम की बम्पर पकड़ दर्ज की गई। एमएफवी मत्स्य वर्षिनी के जुलाई की समुद्री यात्रा के दौरान कुल 2.2 टन नेमिपटेरिस रेन्डल्ली एकल हॉल में दर्ज की गई। नेमिपटेरिस रेन्डल्ली की पकड़ सबसे ज्यादा रही, उसके बाद नेमिपटेरिस ब्लीकेरी एवं नेमिपटेरिस जेपोनिकस। पकड़ी गई नमूनों की लंबाई 14-18 से. मी. थी और अधिकांश मछलियां परिपक्व अवस्था में थी। नेमिपटेरिस स्पीशीज़ केरल तट पर मानसून ट्रॉल मात्स्यिकी की मुख्य पकड़ थी एवं पर्च फिशरी भारतीय समुद्र के लघु एक महत्वपूर्ण घटक है। नेमिपटेरिस रेन्डाली का प्रभत्व 30-50 मीटर गहराई क्षेत्र में पूरी समुद्री यात्रा के दौरान देखा गया।

[श्री वी जी जिनॉय, व. अनुसंधान शोधकर्ता, भा. मा. स. कोच्चि द्वारा संसूचित]

।। बाह्य एवं प्रशिक्षण:

भारतीय तटरक्षक अधिकारियों के लिए वेलापवर्ती [पेलाजिक] एवं मिड वॉटर ट्रॉलिंग पर पारस्परिक प्रिया प्रशिक्षण कार्यशाला

भारतीय तटरक्षक अधिकारियों के लाभार्थ वेलापवर्ती [पेलाजिक] ट्रॉलिंग पर पारस्परिक प्रिया प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त क्रार्यक्रम सिफनेट एवं सिफ्ट के साथ संयुक्त रूप से विशाखापटनम में 1-3 अगस्त 2011 के दौरान आयोजित किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में प्रचालित होने वाले लेटर ऑफ परमिट जलयानों [एल ओ पी जलयानें] पर निरिक्षण के लिए प्रतिभागी अधिकारियों के लिए रखा गया है। भा. मा. स., सिफनेट एवं सिफ्ट के विषय विशेषज्ञों द्वारा फिशिंग टेक्नालॉजी, फिशिंग प्राफ्ट एवं गियर, फिशरी ओशेनोग्राफी एवं उत्तरदायी फिशिंग पर विस्तार से व्यख्यान दिए गए। प्रतिभागियों को एमएफवी मत्स्य दर्शिनी में सवार कर मिड वॉटर एवं बॉटम ट्रॉलिंग प्रचालन की प्रर्दशन ट्रिप भी करवाई। प्रशिक्षण क्रार्यक्रम के अंतिम चरण

में मात्स्यिकी प्रचालन के मॉडल, सामग्री, एवं गेजेट्स की प्रर्दशनी एवं वेलापवर्ती [पेलाजिक] ट्रॉलिंग की तकनीकी जानकारी पर पारस्परिक किया सत्र भी हुआ। श्री एम चंदशेखर राव, डीडीजी [तकनीकी] एवं प्रभारी सर्वेक्षक, एमएमडी, कमांडेंट जीएस राल्ही, सीजीडब्लूओ [वी], तटरक्षक, डॉ जी महेश्वरडु, प्रभारी वैज्ञानिक, सीएमएफआरआई एवं डॉ. के विजयकुमारन, महानिदेशक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने इस अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त किए।

फिशिंग जलयानों के इंजन कक्ष प्रबंधन पर पुनशचर्या पाठ्यप्रम

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, विशाखापटनम बेस ने सिफनेट विशाखापटनम बेस के सहयोग से फिशिंग जलयानों के इंजन कक्ष प्रबंधन पर पुनश्चर्या पाठ्यप्रम का आयोजन 2-5 नवंबर 2013 को विशाखापटनम में किया। एमएमडी विशाखापटनम, विशाखापटनम पोर्ट ट्रस्ट, आन्ध्र विश्वविद्यालय, इंडियन मेरीटाईम विश्वविद्यालय प्रविण्या मेरीन इंजिनियररिंग एवं मरैन स्टडिज, एक्सोनोबेल कोटिंग्स इंडिया प्रा. लि., वर्थसीला इंडिया लि., इंकाईस हैदराबाद, एफएसआई एवं सिफनेट के विषय विशेषज्ञों ने फिशिंग जलयानों के इंजिन कक्ष प्रबंधन पर व्याख्यान दिए। भा. मा. स. और सिफनेट के कुल 24 प्रतिभागी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से लाभन्वित हुए।

आंकड़ा संग्रहण एवं फिश टेक्सानॉमी के सुदृढीकरण पर क्षेत्रीय कार्यशाला

मुरगांव बेस ने भा. मा. स. मुख्यालय के सहयोग से सीसीएस के रूप में मात्स्यिकी सेक्टर के लिए डाटा बेस एवं जीआईएस पर सुदृढ करने हेतु आंकड़ा संग्रहण एवं फिश टेक्सानॉमी पर 1-2 जून 2013 को प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। मात्स्यिकी विभाग, गोवा सरकार के 24 कर्मचारियों एवं आंकड़ा गणनाकारों ने इस कार्यशाला में सहभागिता की। श्री प्रेमचन्द, उप महानिदेशक, भा.मा.स, मुंबई ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। श्रीमती अनुराधा ए भामीकर, उप निदेशक सांख्यिकी .कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थी । श्री राजू एस. नागपूरे, व. वैज्ञानिक सहायक ने धन्यवाद ज्ञापित किया । श्री डी के गुलाटी, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं श्री बापु राऊत आंकड़ा प्रसंस्करण सहायक ने सीएमएफआरआई मेथडॉलॉजी एवं फिश टेक्सानॉमी पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया।

डाहाणू, ठाणे जिले में क्षेत्रीय कार्यशाला

''महाराष्ट्र के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं विविध फिशिंग प्रणालियां'' पर मुंबई बेस द्वारा डाहाणू महाराष्ट्र के रोटरी क्लब में 16 जून 2011 को स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । राज्य मात्स्यिकी विभाग के अधिकारियों एवं प्रेस एवं मास मीडिया के प्रतिनिधियों के अलावा, डाहाणू एवं आसपास के क्षेत्रों के लगभग 100 मछुआरों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। श्री शशीकांत बारी, फिशरमेन लीडर एवं मेंबर एवं पूर्व अध्यक्ष, नगर परिषद, डाहाणू कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे तथा श्री आर बी वायडा, मात्स्यिकी सह. आयुक्त, ठाणे पालघर ने समारोह की अध्यक्षता की।

पोरबंदर, गुजरात में क्षेत्रीय कार्यशाला :

गुजरात तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं विविध फिशिंग प्रणालियां पर मुंबई बेस द्वारा पोरबंदर गुजरात के सागर भुवन हॉल में 20 जुलाई 2011 को स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री हरजीवन भाई, कोटिया, अध्यक्ष, खर्वा समाज, पोरबंदर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे तथा डॉ. पी.सी. माली, मात्स्यिकी अधीक्षक, पोरबंदर ने समारोह की अध्यक्षता की। गुजरात राज्य मात्स्यिकी विभाग के अधिकारियों एवं प्रेस एवं मास मीडिया के प्रतिनिधियों एवं पोरबन्दर के आसपास के क्षेत्रों के लगभग 125 मछुआरों ने कार्यक्रम में सहभागिता की ।

अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं इको-फ्रेंडली मत्स्यन प्रणलियों पर कार्यशाला :

विस्तार कार्यक्रम के रूप में, अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं इको-फ्रेंडली फिशिंग प्रणालियां पर पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा मात्स्यिकी विभाग, अंडमान तथा निकोबार प्रशासन के साथ हंफ्रीगंज ग्राम पंचायत के वंडूर के वर्कशेड में 6 सितंबर 2011 को एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री मोहम्मद शफीक, प्रमुख, फेरानगंज पंचायत समिति ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। श्रीमती सुशीला मेंडल, प्रधान, हमफ्रीगंज ग्राम पंचायत इस अवसर पर विशेष अतिथि थे। श्री जे. चंद्रशेखर, मात्स्यिकी सहायक निदेशक मुख्यालय ने समारोह की अध्यक्षता की तथा डॉ. एल रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक ने मुख्य भाषण दिया। संस्थान के वैज्ञानिको ने कार्यशाला के दौरान चार तकनीकी पत्र प्रस्तुत किए। 10 पीआरआई सदस्यों एवं पाच मात्स्यिकी विभाग के अधिकारियों के अलावा लगभग 80 मछुआरों ने कार्यशाला में सहभागिता की।

अलीबाग, महाराष्ट्र में क्षेत्रीय कार्यशाला :

महाराष्ट्र के टूना मात्स्यिकी संसाधन एवं मोनाफिलामेंट लांग लाइनिंग पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला मुंबई बेस द्वारा स्थानीय मछुआरों के हितार्थ कार्निक हॉल, अलीबाग, महाराष्ट्र में 22 सितंबर 2011 को आयोजित की गई। श्री एन एच मालधूरे, क्षेत्रीय मात्स्यिकी उपायुक्त, मुंबई इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे तथा डॉ. के विजयकुमारन, महानिदेशक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुंबई ने समारोह की अध्यक्षता की। महाराष्ट्र राज्य मात्स्यिकी विभाग, अलीबाग के अधिकारियों के अलावा अलीबाग एवं आसपास के क्षेत्र के 100 मछुआरों के साथ-साथ फिशरीज ट्रेनिंग सेंटर, अलीबाग के अधिकारी एवं प्रशिक्षणार्थियों तथा प्रेस एवं मास मीडिया के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। उसी दिन समुद्री मात्स्यिकी संसाधन पर एक प्रदर्शनी दोपहर के सत्र में फिशरीज ट्रेनिंग सेंटर, अलीबाग में लगाई गई ।

आन्ध्रप्रदेश के मछलीपटनम एवं गिलाकालाधिंडी में क्षेत्रीय कार्यशाला :

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, विशाखापटनम बेस द्वारा आन्ध्रप्रदेश के मात्स्यिकी विभाग के सहयोग से गिलाकालाधिंडी, मछलीपटनम में 18 अक्तूबर 2011 को एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया

गया। डॉ. एस के नायक, क्षेत्रीय निदेशक ने श्री के एस एन रेडडी, फिशिंग गियर टेक्नोलाजिस्ट, श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं श्री ए सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक ने कार्यक्रम में सहभागिता की। 100 मछुआरों ने सपरिवार कार्यशाला में सहभागिता की एवं भा.मा.स., विशाखापटनम के उनके गांव में इस प्रयास की सराहना की।

तमिलनाडु के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर क्षेत्रीय कार्यशाला :

चेन्नई बेस द्वारा स्थानीय मछुआरों के हितार्थ नागापटनम के वीपीएन हॉटेल के सम्मेलन हॉल में 30 अक्तूबर 2011 को तमिलनाडु के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 150 मछुआरों ने उक्त कार्यशाला का लाभ लिया। उक्त कार्यशाला तमिलनाडु के राज्य सरकार के मात्स्यिकी विभाग के साथ संयुक्त रूप में आयोजित की गई थी। श्री टी मुन्नुसामी, आईएएस, जिलाधीश, नागपटनम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे तथा उन्होंने कार्यशाला का उद्घाटन किया । उन्होंने भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों के प्रयासों को सराहा तथा मछुआरों से संपोषित स्तर पर समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों का उपयोग करने हेतु अनुरोध किया। डॉ. ए एनरोज, क्षेत्रीय निदेशक ने अपने मुख्य संबोधन में भारतीय समुद्री मात्स्यिकी के वर्तमान रूपरेखा की संक्षिप्त जानकारी दी। श्री पी. एस.परसुरामन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री पी तमिलारसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री नागराजन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक एवं श्री वी सौन्दराजन, मात्स्यिकी निरीक्षक, मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडू मात्स्यिकी विभाग ने कार्यशाला में सहभागिता की एवं शोध पत्र प्रस्तुत किया।

गुजरात तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं विविध मत्स्यन प्रणालियों पर क्षेत्रीय कार्यशाला

मुंबई बेस द्वारा ओखा गुजरात के सागर भुवन हॉल में 15 दिसम्बर 2011 को स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ गुजरात तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं विविध फिशिंग प्रणालियों पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. एच बी वी दवे, उप मात्स्यिकी निदेशक डसे. नि., मात्स्यिकी विभाग, गुजरात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे तथा श्री पी सिवराज, क्षेत्रीय निदेशक, भा. मा. स., के मुंबई बेस ने समारोह की अध्यक्षता की। गुजरात राज्य मात्स्यिकी विभाग के अधिकारियों एवं प्रेस एवं मास मिडिया के प्रतिनिधियों, विविध स्थान/ क्षेत्रों के लगभग 100 मछुआरों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस पर ओपन हाउस का आयोजन:

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस पर दिनांक 30 सितंबर 2011 को एक ओपन हाउस का आयोजन चेन्नई बेस द्वारा किया गया। ओपन हाउस का उदघाटन केप्टन ए बी सोलंकी, जहाजरानी उप महानिदेशक तकनीकी समुद्री वाणिज्य विभाग, चेन्नई ने 30 सितंबर 2011 को 10.30 बजे किया। डॉ. ए एनरोज, क्षेत्रीय निदेशक ने आगन्तुकों का स्वागत किया तथा बेस के वैज्ञानिकों ने भा. मा. स. द्वारा प्रयोग में लाए जा रहे विभिन्न प्रकार के फिशिंग गियरों, फिश के नमूनों एवं फिशिंग गियर चार्ट के बारे में आगन्तुकों को बताया। स्कूल के बच्चे, शिक्षक, मछुआरे एवं आम जनता ने बड़े जोश के साथ बेस का दौरा किए। भा. मा. स. कार्यालय, पुस्तकालय, गियर अनुभाग, कर्मशाला एवं सर्वेक्षण जलयान मत्स्य दृष्टि एवं एमएफवी समुद्रीका आम जनता के लिए खुले रखे गए। विविध क्षेत्रों के 1150 लोग इस ओपन हाउस से लाभान्वित हुए।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने आईआईटीएफ- 2011 में सहभागिता की

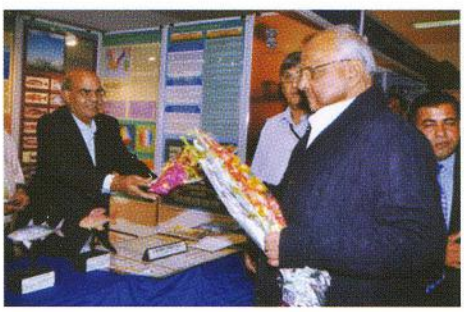

भा. मा. स. ने भारतीय व्यापार उन्नयन संगठन आईटीपीओ द्वारा दिल्ली के प्रगति मैदान में 14-27 नवंबर 2011 को आयोजित भारतीय अंतराष्ट्रीय व्यापार मेला में सहभागिता की । सर्वेक्षण गतिविधियाँ को दर्शातें विविध चार्ट, सर्वेक्षण बेड़े के मॉडल, मत्स्यन प्रणालियाँ एवं मात्स्यिकी संसाधनों को व्यापार मेले में दर्शाया गया। श्री शरद पवार, माननीय कृषि, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले मंत्री ने भा. मा. स. के स्टॉल का दर्शन किया एवं सभी प्रदर्शित सामग्री को बडे उत्साह से देखा। आइ टी पी ओ के पदाधिकारियों के अतिरिक्त विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों एवं कार्यपालकों, प्रोफेसरों, शिक्षकों, छात्रों एवं विविध राज्यों के किसानों ने प्रर्दशनी का देखा एवं भा. मा. स. की गतिविधियों के संबंध में सूचना एकत्र की । एक लाख से ज्यादा लोगों ने भा. मा.स. के स्टॉल को देखा।

।।।. अर्द्ववार्षिक रोजा बैठक

अर्द्ववार्षिक वैज्ञानिक रोजा बैठक भा. मा. स. के कोचिन बेस पर 16-17 नवंबर, 2011 का संपन्न हुई। डॉ. के विजयकुमारन, महानिदेशक ने अर्द्ववार्षिक रोजा की अध्यक्षता की एवं बेस अधिकारियों द्वारा सर्वेक्षण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के प्रयासों की सराहना की। हालांकि उन्होंने बताया कि वाँच्छित परिणामों को प्राप्त करने में कई क्षेत्रों में आपसी तालमेल की कमी है। उनका आग्रह था कि ध्यान परिणामों को प्राप्त करने में कई क्षेत्रों में आपसी तालमेल की कमी है। उनका आग्रह था कि ध्यान परिणामों की प्राप्ति एवं मामलों को सामना करने पर होना चाहिए। उन्होने भा. मा. स., सिफनेट एवं सिफ्ट द्वारा संयुक्त रूप से तटरक्षक अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए विशाखपट्टणम बेस को उनका पूर्ण समर्थन की सराहना की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों, तटरक्षक मुख्यालय नई दिल्ली ने आयोजन की प्रशंसा की एवं पश्चिमी तट पर एक दो

ऐसे स्थानों पर आयोजन करने का आग्रह किया। बेस कार्यालयों ने लक्ष्यों के हिसाब से जलयानों के निष्पादन की प्रस्तुति दी। बैठक में बेस कार्यालयों के निष्पादन की समीक्षा की गई एवं विविध कारणों से जलयानों की खराब स्थिति से निपटने के लिए दीर्घकालीन परियोजना बनाने का निर्णय लिया। संस्थान द्वारा हाथ में ली हुई साझा परियोजनाओं, प्रशासनिक एवं लेखा मुद्दों पर भी बैठक में विचार-विमर्श किया गया। मुख्यालय के अधिकारियों के अलावा बेस प्रभारी, सेवा अभियंता एवं कोचिन बेस के वैज्ञानिकों ने बैठक में सहभागिता की।

IV. बॉवलम परियोजना की टी डी ए परामर्श कार्यशाला

बंगाल की खाड़ी विशाल समुद्री पारिस्थितिक तंत्र बॉबलम परियोजना की एक सीमा पार नैदानिक विश्लेषण परामर्श कार्यशाला डटी डी ए-सी डब्ल्यू एस. 7 अप्रैल 2011 को होटल जया रेजिडेन्सी, काकीनाडा में संपन्न हुई। कार्यशाला का उद्घाटन श्री मनमोहन सिंह, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा हुआ। समारोह में श्री एम रवि चन्द, आई ए एस, जीलाधीश, ईस्ट गोदावरी, मुख्य अतिथि थे। डॉ. के विजयकुमारन, बॉबलम परियोजना के राष्ट्रीय समन्वयक ने सभा का स्वागत किया तथा सामान्य रूप से परियोजना की पृष्ठ भूमि एवं प्रासंगिकता विशेषकर कार्यशाला की प्रस्तुति दी।

V. राजभाषा कार्यान्वयन

हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाडे का आयोजन :

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुख्यालय में 14 सितंबर 2011 को हिंदी दिवस के साथ 14-28 सितंबर 2011 तक हिंदी पखवाडा मनाया गया जिसका उद्घाटन संस्थान के महानिदेशक डॉ. के विजयकुमारन ने दीप प्रज्जवलित कर किया । उप महानिदेशक मा. श्री प्रेमचन्द ने हिन्दी दिवस के अवसर पर माननीय कृषि मंत्री श्री शरद पवार से प्राप्त अपील को पढ़ा । अपील के माध्यम से माननीय मंत्री जी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपना कार्यालयीन कार्य मूल रूप से हिंदी में करने का अनुरोध किया। हिन्दी पखवाडे के दौरान हिंदी निबंध, लेखन टिप्पण-आलेखन, अनुवाद, कविता पाठ, सामान्य ज्ञान जैसी हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । 28 कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। हिंदी पखवाडे का समापन समारोह 28 सितंबर 2011 को रख गया जिसमें श्री राजेश्वर प्रसाद उनियाल, उपनिदेशक राजभाषा केन्द्रय मत्स्य शिक्षा संस्थान को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया तथा श्री वी वी सुगुणन, राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार, बोबलम परियोजना को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। हिंदी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 2010-11 के दौरान हिंदी में काम करने वाले अधिकारियें एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सभी बेस कार्यालयों द्वारा भी विभिन्न गतिविधियों के साथ हिंदी पखवाड़ा मनाया गया । विविधि प्रतियोगिताएं जैसे भाषण, टिप्पण-आलेखन, अनुवाद, कविता पाठ एवं तत्काल भाषण का आयोजन किया गया। कर्मचारियों के बच्चों ने भी समारोह के दौरान गीत एवं कविताएं प्रस्तुत की। श्री आर विरीयया, उप निदेशक, जहाजरानी निदेशालय, अंडमान तथा निकोबार प्रशासन, श्री राजेन्दसिंह, हिंदी अधिकारी, मार्मुगोवा पोर्ट ट्रस्ट, मार्मुगोवा एवं श्रीमती रमा देवी, हिंदी अधिकारी, इस्टकास्ट रेल्वे, सचिव डनराकास, विशाखापटनम ने इन आयोजनों में मुख्य अतिथि की भूमिका का निर्वहन किया ।

हिंदी कार्यशाला :

एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 01 अगस्त 2011 को पोर्ट ब्लेयर बेस पर किया गया। श्री आनंदराज, प्रशिक्षक, सचिवालय, अंडमान एवं निकोबार सचिवालय ने इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ की भूमिका निभाई ।

राजभाषा कार्यान्वयन पर 06 अगस्त 2011 को हिंदी कार्यशाला गोवा बेस पर आयोजित की गई जिसमें श्री डी के पाठक, हिंदी प्राध्यापक, हि. शि. यो., राजभाषा विभाग, पणजी विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे।

यूनिकोड पर एक दिवसीय कंप्युटर प्रशिक्षण का आयोजन 26 अगस्त 2011 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुख्यालय, मुंबई में किया गया ताकि कर्मचारी कंप्यूटर के माध्यम से हिंदी प्रयाग को बढ़ावा दे सके। इस प्रशिक्षण का आयोजन हिंदी शिक्षण योजना, मुंबई के सहयोग से श्री राम सकल सिंह के नेतृत्व में किया गया।

हिन्दी टंकण के लिए हिंदी साफटवेयर का उपयोग एवं युनिकोड का अनुप्रयोग विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन विशाखापटनम बेस पर 06 सितंबर 2011 को श्री घनश्याम प्रसाद नामदेव, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, विशाखापटनम के नेतृत्व में किया गया।

हिंदी टिप्पण-आलेखन पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 15 नवंबर 2011 को पोर्ट ब्लेयर बेस पर हिंदी सेल, सचिवालय, अंडमान निकोबार प्रशासन के प्रशिक्षक श्री आनंदराज के नेतृत्व में संपन्न हुई।

प्रशास्ति पत्र एवं आशीर्वाद स्मृति चिन्ह :

डॉ. एस के द्विवेदी, वरि. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स. मुख्यालय को राजभाषा कार्यान्वयन में योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं आशीर्वाद स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया । यह सम्मान उन्हें दिनांक 15 नवंबर 2011 को चर्चगेट, मुंबई स्थित आयकर भवन में संपन्न 20 वां आशीर्वाद राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया ।

मुंवई मुख्यालय को आशीर्वाद राजभाषा पुरस्कार :

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण को मुंबई में स्थित छोटे केंद्र सरकारी कार्यालयों की श्रेणी में राजभाषा हिंदी के अधिकतम कार्यान्वयन के लिए

आशीर्वाद राजभाषा स्मृति चिन्ह द्वितीय पुरस्कार से नवाजा गया। यह सम्मान 16 नवंबर 2011 चर्चगेट, मुंबई स्थित आयकर भवन में संपन्न 20 वां आशीर्वाद राजभाषा सम्मेलन में संस्थान के उप महानिदेशक मा. श्री प्रेमचन्द एवं कनिष्ठ हिंदी अनुवादक श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव ने संयुक्त रूप से यह पुरस्कार प्राप्त किया।

VI. प्रशिक्षण/संगोष्ठी/सेमिनार/वैठक/सम्मेलन में सहभागिता :

अंर्तराष्ट्रीय

डॉ. एल रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक ने सीशेल्स में 4-8 जुलाई 2011 को संपन्न बिल फिशेश पर कार्यदल की आईओटीसी की 9 वें सत्र में सहभागिता की एवं इंडो पेसीफिक सेलफिश के भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के अंडमान तथा निकोबार के आसपास वितरण, अधिकता एवं जीव विज्ञान पर वैज्ञानिक लेख प्रस्तुत किया ।

डॉ. एस के नाईक, क्षेत्रीय निदेशक ने थाईलेंड के फुकेट में 15-19 अगस्त, 2011 को मानसून ऑनसेट मॉनिटरिंग एवं इसके सामाजिक एवं इकोसिस्टम प्रभावों पर आईओसी/वेस्टपेक समर स्कूल में सहभागिता की।

श्री अशोक एस कदम, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं श्री जी वी ए प्रसाद, व. वैज्ञानिक सहायक ने थाईलैड के फुकेट में 22-25 अगस्त, 2011 को कम्युनिकेटिंग साईन्स इफेक्टीवली-सांईटिफिक पेपर राईटिंग पर संपन्न बॉबलम-एमएफएफ कार्यशाला में सहभागिता की ।

श्री जी वी ए प्रसाद, व. वैज्ञानिक सहायक ने मालदीव में 11-14 अक्तूबर 2011 को बाबलेम-एमएफएफ कार्यशाला में सहभागिता की एवं पर्च संसाधनों के अंडमान तथा निकोबार सागर में वितरण, अधिकता एवं विविधता पर लेख प्रस्तुत किया।

डॉ. ए बी कर, क. मत्स्यन गियर टेक्नॉलॉजिस्ट ने मालदीव में 24-27 अक्तूबर 2011 को पारिस्थितिक तंत्र उप पकड पर कार्य दल की आईओटीसी की 7वें सत्र में सहभागिता की एवं भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में अंडमान एवं निकोबार द्वीपों के आस पास टूना लॉग लाइन मात्स्यिकी में उप पकड पर वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय :

डॉ. एस के नाईक, क्षेत्रीय निदेशक एवं श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने काकीनाडा में 7 अप्रैल 2011 को बाबलेम की सीमापार नैदानिक विश्लेषण परामर्श डट्रांसबाउण्डरी डाइग्नोस्टिक एनालिसीस कंस्लटेशन. कार्यशाला में सहभागिता की।

डॉ ए एनरोज, क्षेत्रीय निदेशक ने 25 अप्रैल 2011 को एमपीडा, कोच्चि में एमपीडा द्वारा मत्स्य दृष्टि पर संपन्न होने वाले प्रशिक्षार्थियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम पर आयोजित बैठक में भाग लिया।

डॉ. ए एनरोज, क्षेत्रीय निदेशक ने चेन्नई में उत्तरीय हिन्द महासागर क्षेत्र में मेटओशन डाटा एवं सुनामी बुयास की सुरक्षा के लिए सहकारी यंत्रावली स्थापित करने पर कार्यशाला में सहभागिता की

डॉ. ए के भार्गव, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक पोरबंदर, गुजरात में 15 मई 2011 को मात्स्यिकी आयुक्त, गुजरात सरकार द्वारा आयोजित कृषि महोत्सव-2011, स्वरनम शिबिर में सहभागिता की एवं गुजरात तट पर गहन समुद्री मत्स्यन डडीप सी फिशिंग.पर अपने उदगार व्यक्त किया।

डॉ के विजयकुमारन, महानिदेशक एवं श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. हिन्दी अनुवादक ने पश्चिम रेल्वे, मुख्यालय, चर्चगेट, मुंबई में 20.05.2011 को संपन्न नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में सहभागिता की।

श्री अशोक एस कदम, क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने दूरदर्शन केंद मुंबई द्वारा 27 मई 2011 को संपन्न आरएसी बैठक में सहभागिता की।

डॉ. ए के भार्गव, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री राजू एस नागपुरे, व.वैज्ञानिक सहायक एवं श्री बी एल आंजना, हिंदी अनुवादक ने 6-7 जून 2011 को एनआईओ, डोना पॉला, गोवा में बदलते जीवन शैली का प्रभाव एवं भू एवं समुद्री पर्यावरण पर औद्योगिकीकरण डद इंपेक्ट ऑफ चेजिंग लाईफ स्टाईल एंड इंडस्ट्रिलाईजेशन ऑन लेंड एवं मरिन इनवार्नमेंट.पर संपन्न कार्यशाला में सहभागिता की।

डॉ. एस के नाईक, क्षेत्रीय निदेशक ने होटल ग्रीन पार्क, विशाखापटनम में 01 जुलाई 2011 को संपन्न बोबलम-नेशनल टास्क फोर्स बैठक में सहभागिता की।

श्री के गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं डॉ ए बी कर, क. फिशिंग गियर टेक्नालॉजिस्ट ने 5 जुलाई 2011 को अंडमान तथा निकोबार प्रशासन के मात्स्यिकी सचिव के कक्ष में 12 वीं पंचवर्षीय योजना ड2012-17.के विकास के लिए कृषि एवं सहसेक्टर की कार्यदल बैठक में सहभागिता की।

श्री एस के द्विवेदी, व. वैज्ञानिक सहायक, श्री सा. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक ने 10-23 जुलाई, 2011 तक बी ओ बी पी, आईजीओ, चेन्नई द्वारा उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता डकोड ऑफ कंडक्ट फार रेसपांसिबल फिशरीज.पर आयोजित चौथे प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की।

श्री के गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं श्री जी वी ए प्रसाद, व. वैज्ञानिक सहायक ने 15 जुलाई, 2011 को अंडमान तथा निकोबार प्रशासन के मात्स्यिकी सचिव के कक्ष में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अधीन मध्यस्थ यंत्रीकृत मत्स्यन प्राफ्ट का परिचय: कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु चयन/परियोजना मूल्यांकन समिति की बैठक में सहभागिता की।

श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. हिन्दी अनुवादक ने भारतीय जहाजरानी निगम, मुंबई द्वारा 25 अगस्त 2011 को भारतीय जहाजरानी निगम लि., पवई, मुंबई में सर्तकता के माध्यम से दक्षता पर हिन्दी सेमिनार में सहभागिता की।

डॉ ए एनरोज, क्षेत्रीय निदेशक ने टूना मात्स्यिकी पूर्वानुमान तंत्र के विकास पर इंकोईस निधीकृत परियोजना के लिए पॉप अप सेटेलाईट अर्चिवल टेग्स खरीदने हेतु तकनीकी एवं वित्तीय मूल्यांकन समिति की 20 अगस्त 2011 को प्रथम बैठक में सहभागिता की।

डॉ. ए एनरोज, क्षेत्रीय निदेशक ने विकासायुक्त, तमिलनाडु मात्स्यिकी तेयनामपेट द्वारा टूना मात्स्यिकी पर 25 जुलाई 2011 को संयोजित बैठक मे सहभागिता की।

श्री के गोविन्दराज व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं डॉ. ए बी कर, क. फिशिंग गियर टेक्नालॉजिस्ट ने 16 अगस्त, 2011 को अंडमान तथा निकोबार प्रशासन सचिवालय सम्मेलन कक्ष में के मुख्य सचिव द्वारा 12 वीं पंच वर्षीय योजना पर आयोजित बैठक में सहभागिता की।

डॉ. एल रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, श्री के गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं डॉ ए बी कर, क. फिशिंग गियर टेक्नालॉजिस्ट एवं श्री एन वरधन, स्टेनोग्राफर श्रेणी -। ने 24 अगस्त, 2011 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के सम्मेलन कक्ष में केंद्रीय सरकारी कर्मचारी कल्याण समन्वय समिति की बैठक में सहभागिता की । डॉ. एल रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक एवं के.क.क.स.स. के अध्यक्ष ने उपर्युक्त बैठक की अध्यक्षता की।

डॉ. एल रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक ने 5 सितंबर 2011 को अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के सचिव मात्स्यिकी के कक्ष में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कार्यक्रम कार्यान्वयन, इन्टरमिडियरी मेकेनाईज्ड फिशिंग क्राफ्ट का परिचय के लिए चयन/परियोजना मूल्यांकन समिति की बैठक में सहभागिता की।

श्री के गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं श्री दिगम्बर स्वेन, क. अनुसंधान छात्र, पोर्ट ब्लेयर, श्री एस. जी. पटवारी, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, मुंबई बेस एवं श्री राजू एस नागपूरे, व. वैज्ञानिक सहायक एवं श्री प्रत्युष दास, क. अनुसंधान अध्येता, गोवा बेस ने 29-30 सितंबर, 2011 को इन्कोईस, हैदराबाद में पोप-अप सेटेलाई के साथ टेगिंग टूना प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की।

श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं डॉ. अंशुमान दास, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 6 नवम्बर 2011 को स्वास्तिक पॉम रिसोर्ट, गोपालपूर, उडिसा में बाबलम जागरकता कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

श्री ए के मलिक, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, मुंबई बेस ने हिन्द महासागर टूना आयोग आई ओ टी सी .द्वारा 17-18 नवम्बर 2011 को चेन्नई में आयोजित वैज्ञानिक सलाह पर आई ओ टी सी क्षमता निर्माण कार्यशाला में सहभागिता की ।

डॉ ए बी कर, क. फिशिंग गियर टेक्नालॉजिस्ट ने इंडियन ओशन टुना कमिशन द्वारा 17-18 नवम्बर 2011 को चेन्नई में होटल जीआरटी में आयोजित वैज्ञानिक सलाह पर आई ओ टी सी क्षमता निर्माण कार्यशाला में सहभागिता की।

श्री अशोक एस कदम, क. मा.वैज्ञानिक ने दूरदर्शन केंद्र, मुंबई द्वारा 18 नवंम्बर 2011 को संपन्न आरएसी की बैठक में सहभागिता की ।

श्री के गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं डॉ. अंशुमान दास, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 1-2 दिसंबर, 2011 को कोचिन में संपन्न बोबलम इंडियन मैकरेल निर्धारण कार्य दल बैठक में सहभागिता की।

श्री के गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 7 दिसम्बर 2011 को भा. मा. स. के चेन्नई बेस में इन्कोईस प्रायोजित परियोजना भारतीय समुद में टूना के प्रवासी पैटर्न पर उपग्रह टेलिमेट्रिक अध्ययन सेटूना पर आयोजित बैठक में सहभागिता की।

श्री प्रेमचन्द, उप महानिदेशक डमा..सर्वश्री डी के गुलाटी, वरिष्ठ. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, अशोक एस. कदम, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं डॉ. एस के द्विवदी, व. वैज्ञानिक सहायक ने 13-14 दिसंबर, 2011 को मैगलौर, कर्नाटक में ऑकड़ा संग्रहण सुदृढ़ीकरण एवं फिश टेक्सोनमी पर संपन्न कार्यशाला में सहभागिता की एवं भा. मा. स. वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में तीन शोध पत्र प्रस्तुत किए।

डॉ. के विजयकुमारन, महानिदेशक, डॉ ए. एनरोज, क्षेत्रीय निदेशक, श्री ए टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. पी तमिलारसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ जे जयचन्द दास, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं श्री सी बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक एवं श्री सिजो पी वर्गिस, व.वैज्ञानिक सहायक ने 19-23 दिसंबर, 2011 को चेन्नई के आर ए पुरम में सी एम एफ आर आई द्वारा आयोजित इमेज में संपन्न 9 वीं इंडियन फिशरीज फोरम में सहभागिता की।

श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक ने 8-21 दिसंबर 2011 को चेन्नई, तमिलनाडु के सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रेकीष वॉटर एक्वाकल्चर में जलकृषि में न्यूट्रिशन उपयोग क्षमता पर एन ए आई पी- आई सी ए आर प्रशिक्षण कार्यशाला में सहभागिता की ।

VII. महानिदेशक की बैठकों/सेमिनारों में सहभागिता :

डॉ. के विजयकुमारन, महानिदेशक, भा. मा. स. ने निम्नलिखित कार्यक्रमों में सहभागिता की :

- नेशनल कन्सल्टेशन ऑफ इको-सिस्टम इंडिकेटर्स फॉर बॉबलेम परियोजना की कोचिन में 26-27 अप्रैल, 2011 को सहभागिता।
- बीओबीपी, चेन्नई में 6-7 मई 2011 को उत्तरीय हिन्द महासागर क्षेत्र में मेट ओशन डाटा एवं सुनामी बुयास की सुरक्षा के लिए सहयोगी तंत्र की स्थापना पर संपन्न दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला।
- बीओबीपी-आईजीओ-सीएमएफआरआई-एफएसआई का 7 मई 2011 को कोचिन में सपन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- सीएसएल, अध्यक्ष द्वारा 9 मई 2011 को आयोजित बैठक।
- सेकोन, कोयम्बतूर में 11 मई 2011 को भा. मा. स. के वैज्ञानिकों के लिए समुद्री पक्षी पहचान प्रशिक्षण के लिए निदेशक, सेकोन से चर्चा।
- पश्चिम बंगाल में टीडीए-सीडब्लूएस के बारे में सिफरी के निदेशक से 16 मई 2011 को चर्चा।
- पुरी, उडिसा में 18 मई 2011 को बाबलेम परियोजना कार्यशाला में सहभागिता।
- एनटीए के साथ नई दिल्ली में 22 मई 2011 को बॉबलम परियोजना मुद्दे।
- पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली के अशोक होटल में 23 मई 2011 को आयोजित स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन एवं लांच ऑफ युनाईटेड नेशन डिकेड ऑन बायोडाईवर्सीटी फार एशिया एवं पेसिफीक में सहभागिता की।

- आंकड़ाबेस सुदृढीकरण एवं मात्स्यिकी सेक्टर के लिए जीआईएस की सेंट्रल सेक्टर योजना की 8वी तकनीकी मॉनिटरिंग समिति की बैठक में सहभागिता।
- बाबलेम टीडीए परामर्श कार्यशाला, कोलकता में 09 जून 2011.
- 17-18 जून 2011 को भुज में मैसर्स कोस्टल गुजरात पॉवर लि. के कचरे क्षेत्र का तटीय फिश प्राकृतिक वास पर संभाव्य प्रभाव का अध्ययन एवं निर्धारण एवं रोकथाम के उपाय।
- संसदीय समिति का चैन्नई दौरे के संबंध में 24 जून 2011 को व्यवस्था के बारे में चर्चा।
- विशाखपापटनम में 30 जून 2011 को बॉबलम नेशनल टीडीए परामर्श कार्यशाला एवं बॉबलम राष्ट्रीय टास्क फोर्स बैठक में 01 जुलाई 2011 को सहभागिता।
- कृषि पर संसदीय समिति की चैन्नई में 05 जुलाई 2011 को बैठक में सहभागिता।
- 'भारत में समुद्री मात्स्यिकी' पर नई दिल्ली में 7 जुलाई 2011 को संपन्न कार्यशाला में सहभागिता।
- सी सी आर एफ पर 10 जुलाई 2011 को चेन्नई में सपन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम के ओपन सत्र में सहभागिता एवं सेंपलिंग पर व्याख्यान।
- समुद्री मात्स्यिकी पर अंतर मंत्रालय सशक्तीकरण समिति की 13 जुलाई 2011 को कृषि भवन, नई दिल्ली में संपन्न 15 वीं बैठक में सहभागिता।
- मात्स्यिकी मामलों पर नई दिल्ली में 18-19 जुलाई 2011 को संपन्न अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता।
- 12 वीं पंचवर्षीय योजना ड2012-17 .के लिए मात्स्यिकी एवं कृषि के विकास एवं प्रबंधन पर संपन्न कार्यदल की 22 जुलाई 2011 को सिफरी, कोलकता में संपन्न दूसरी बैठक में सहभागिता।
- बॉबलम परियोजना के अंतर्गत इंटिग्रेटेड तटीय प्रबन्धन के लिए पाईलेट साईट पुदुचेरी पर 26 जुलाई 2011 को संपन्न प्रथम कार्य दल की बैठक में सहभागिता।
- विशाखापटनम में 1-3 अगस्त 2011 को भारतीय तटरक्षक कर्मचारियों के लिए वेलापवर्ती पेलाजिक.एवं तलमज्जी डिमेर्सल.ट्रॉलिंग पर परिचर्चा कार्यशाला में सहभागिता।
- चेन्नई में 16 अगस्त 2011 को तटीय टूना मात्स्यिकी आंकडा संग्रहण के लिए दौरे पर आए आईओटीसी परामर्शक का समन्वयन।
- 12 वीं पंचवर्षीय योजना के लिए मात्स्यिकी एवं जलकृषि के विकास एवं प्रबंधन पर संपन्न कार्य दल की 18 अगस्त 2011 को सिबा, चेन्नई में संपन्न तीसरी बैठक में सहभागिता।
- सी एम एफ आर आई, कोचिन में 26-27 अगस्त 2011 तक सिमकार पर कोलोक्कियम में सहभागिता ।
- रामेश्वरम में 5-6 सितंबर 2011 को मन्नार की खाड़ी पारिस्थितिक तंत्र पर इन्डो-श्रीलंकन की बैठक में सहभागिता ।
- पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा 8-10 सितंबर 2011 तक गोवा में आयोजित सार्वभौमिक पर्यावरण सुविधा नेशनल डायलॉग में सहभागिता।
- सी एम एल आर ई, कोचिन में 16 सितंबर 2011 को संपन्न एसएसी-एमएलआरपी पुर्न संगठन ।
- 16-17 सितबंर 2011 को भा. मा. स. कोचिन में संपन्न अर्द्धवार्षिक रोजा बैठक ।
- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुंबई बेस द्वारा 22 सितंबर 2011 को अलीबाग में मात्स्यिकी विकास पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन समारोह ।
- पोपअप सेटेलाईट आर्चिवल टेग्स के साथ टेग्गिंग टूना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं टफ्स परियोजना पर 29 सितंबर से 10 अक्तूबर 2011 तक सी एम एफ आर आई, विशाखापटनम में संपन्न कार्यशाला में सहभागिता ।
- संघ लोक सेवा आयोग की 30 सितंबर 2011 को नई दिल्ली में संपन्न विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में सहभागिता ।
- बॉबलम परियोजना की गतिविधियों की समीक्षा के लिए 05 अक्तूबर 2011 को संयुक्त सचिव, मंत्रालय, नई दिल्ली के साथ बैठक ।
- मछलीपटनम में 18 अक्तूबर 2011 को जागरकता कार्यक्रम एवं 20 अक्तूबर 2011 को पुदुचेरी में आईसीएम पायलेट साईट-स्टेकहोल्डर्स बैठक में सहभागिता ।
- बीओबीपी आईजीओ पर अंतर मंत्रालय की बैठक पर 19 अक्तूबर 2011 को डॉ. युगराज यादव, निदेशक से चर्चा
- इंडियन इन्स्टीटयूट ऑफ ट्रॉपिकल मिटरोलॉजी डआईआईटी एम, पुणे से टेली-प्रजेन्स के जरिए महासागर अवलोकन नेटवर्क हेतु पीएमसी की 5वीं बैठक में सहभागिता ।
- मत्स्यन पोतों के इंजन कक्ष रखरखाव पर विशाखापटनम में संपन्न पुर्नश्चर्या पाठ्यप्रम के समापन पर 5 नवबंर 2011 को संकाय के रूप में समापन भाषाण ।
- गोपालपूर में 6 नवंबर 2011 को बॉबलम परियोजना पर जागरकता कार्यक्रम ।
- नेरिटिक टूना पर आईओटीसी कार्य दल की 14-16 नवबंर 2011 को चेन्नई में संपन्न बैठक के उद्घाटन सत्र में सहभागिता ।
- चेन्नई में 17-18 नवंबर 2011 को संपन्न वैज्ञानिक सलाह पर आई ओ टी सी कार्यशाला में सहभागिता ।

- सीबीडी के कोप -11 पर 22 नवंबर 2011 को सेकोन, कोयम्बतूर में सामूहिक चर्चा ।
- बीओबीपी-आईजीओ, चेन्नई में एफएओ समीक्षा दल के साथ 23 नवंबर 2011 को समीक्षा ।
- टीडीए आउटपुट पर चर्चा एवं फायनालाईजेशन के लिए चेन्नई के होटल रामादा, राजपार्क में 24 नवंबर 2011 को सहभगिता ।
- सुंदरबन पर 28 नवबंर 2011 को पश्चिम बंगाल के फ्रेसरगंज के होटल दीपक में संपन्न द्वितीय राष्ट्रीय स्तर बैठक में सहभागिता ।
- बॉबलम परियोजना भारतीय मेकरल मात्स्यिकी निर्धारण कार्यदल बैठक में 1-2 दिसंबर 2011 को कोचिन में सहभागिता ।
- भा. मा. स. पोतों पर टूना टेग्गिंग पर अपनाई जाने वाली प्रणलियों पर 7 नवंबर 2011 को चेन्नइनथ में चर्चा ।
- हिन्द महासागर टूना आयोग की 12-17 दिसंबर 2011 को सीशेल्स के विक्टोरिया में 14 वीं वैज्ञानिक समिति सत्र में सहभागिता ।
- संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली की 18.12.2011 को संपन्न डी पी सी बैठक में सहभागिता ।
- 9 वें भारतीय फिशरीज फोरम, चेन्नई में सहभागिता एवं बॉबलम में 19-21 दिसंबर 2011 को इ ए एफ ाम अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन ।
- कृषि मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग की शक्तिकृत समिति की बैठक में 23 दिसंबर 2011 को नई दिल्ली में सहभागिता ।
- बाबलेम परियोजना की 24 दिसंबर 2011 को चेन्नइनथ में एनटीएफ बैठक का आयोजन ।
- टीडीए रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए 26 दिसंबर 2011 को चेन्नई में बैठक ।

VIII.प्रशासनिक समाचार :

नियुक्तियॉं, स्थानांतरण, पदोन्नतियॉं, प्रतिनियुक्ति.....

- श्री चेल्लया मुरगन मुख्य अभियंता ग्रेड ।। को 30/04/2011 से भा. मा. स. चेन्नई बेस में नियुक्त ।
- श्री सुधीश बी. सी. को 25/05/2011 से भा. मा. स., कोचिन बेस पर कारपेंटर के पद पर नियुक्त ।
- श्री जी वी एस प्रसाद, व. वैज्ञानिक सहायक को 06.04.2011 को चेन्नई बेस से पोर्ट ब्लेयर बेस पर स्थानांतरण
- श्री जी एस वी शर्मा, यांत्रिक पर्यवेक्षक डव. मुंबई बेस से चेन्नई बेस पर स्थानांतरण ।
- श्री कंथन, यांत्रिक पर्यवेक्षक को चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर बेस पर स्थानांतरण ।
- श्रीमती आर मालती, हिंदी टंकक डएल डी सी.को कोच्चिन बेस से चेन्नई बेस पर स्थानांतरण
- श्री के पी रघुनाथ, कार्यालय अधीक्षक को कोच्चिन बेस से मुंबई मुख्यालय .पर स्थानांतरण
- डॉ. मानस कुमार सिन्हा, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने कोस्टल एक्वाकल्चर अथारिटि, चेन्नई में अपनी प्रतिनियुक्ति पुरी कर 09.12.2011 को चेन्नई बेस में ड्युटी रिपोर्ट की ।
- श्री सुजित कुमार पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक के नेशनल फिशरीज डेवलमेंट बोर्ड, हेदराबाद में कार्यपालक डतकनीकी .के पद पर प्रतिनियुक्ति पर चयन होने पर उन्हें अपनी ट्यूटी से 27.10.2011 को विशाखापटनम बेस से कार्यमुक्त किया गया ।

सेवानिवृत्तियॉं

- श्री आई माइकल सम्मानस, वरिष्ठ नाविक, कोच्चिन बेस 30 अप्रैल 2011 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त ।
- श्री वी के सुवर्णन स्किपर चेन्नई बेस 30 मई 2011 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त ।
- श्रीमती वी ए राधा, व. लेखाकार, कोच्चिन बेस 31 मई 2011 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त ।
- श्री एन के वेलामुधन,स्लिप वे वर्कर कोच्चिन बेस 30 मई 2011 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त ।
- श्री रामाकृष्ण राव, मेकेनिक, विशाखापट्टणम बेस 30 जून 2011 को अधिवर्षिता सेवानिवृत्त ।
- श्री डी दे सिंग, बोसन प्रमाणित चेन्नई बेस 30 जुलाई 2011 को अधिर्षिता पर सेवानिवृत्त ।
- श्री पी नूका राजू, व. नाविक विशाखापट्टणम बेस 30 अगस्त 2011 को स्वेच्छा से सेवानिवृत्त ।
- श्री पी एस मणिकंडन, स्किपर, मुम्बई बेस 31 अगस्त 2011 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त ।
- श्री चंदपॉल हीरालाल, सफाईवाला, मुम्बई बेस 31 अगस्त 2011 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त ।
- श्री सी पी गोपालन दफ्तरी, कोच्चिन बेस 01 सितंबर 2011 को स्वेच्छा से सेवानिवृत्त ।
- श्री के वी जोशी, क. नाविक मार्मुगोवा बेस 30 सितंबर 2011 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त ।
- श्री वी एस बालुसामी, नेट मेंडर चेन्नई बेस 31 दिसम्बर 2011 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त ।

संकलनकर्ता : कुमारी राजश्री बी सनदी, संपादक: डॉ. एम के सजीवन, हिन्दी अनुवादक: मीरा वेल्लेन राजीव,
प्रकाशक:श्री प्रेमचंद, महानिदेशक: भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, बोटावाला चेम्बर्स, सर पी एम रोड, मुम्बई-400 001,
तार: मीना वेबसाईट:htttp:/fsi.gov.in फैक्स: (022) 22702270.दूरभाषा: 22617144/45 मुद्रक: ऑनलूकर प्रेस, मुम्बई. दूरभाषा 022-22182939/3544